myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

# हिन्दी पाठ्यक्रम-अ कोड संख्या ( 002 )
## कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ'- संकलित परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2016-2017

| संकलित परीक्षा 1 ( भार 30% ) ( अप्रैल-सितम्बर ) तथा संकलित परीक्षा 2 ( भार 30% ) ( अक्टूबर से मार्च ) हेतु भार विभाजन | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | **विषयवस्तु** | | **उप भार** | **कुल भार** |
| 1 | पठन कौशल गद्यांश व काव्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न | | | | 20 |
| | (अ) | दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के) (1x10) | | 10 | |
| | (ब) | दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के) (1x10) | | 10 | |
| 2 | व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर प्रश्न (1x15) | | | **15** | **15** |
| 3 | पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-1 व पूरकपाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-1 | | | | 35 |
| | (अ) | **गद्य खण्ड** | | **15** | |
| | | 1 | क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर प्रश्न। (2+2+1) | **05** | |
| | | 2 | क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन व मनन क्षमताओं का आंकलन करने हेतु प्रश्न। (2x5) | 10 | |
| | (ब) | **काव्य खण्ड** | | **15** | |
| | | 1 | काव्यबोध व काव्य पर स्वयं की सोच की परख करने हेतु क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर प्रश्न। (2+2+1) | 05 | |
| | | 2 | क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु प्रश्न। (2x5) | 10 | |
| | (स) | **पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-1** | | **05** | |
| | | पूरक पुस्तिका 'कृतिका' के निर्धारित पाठों पर आधारित एक मूल्य परक प्रश्न पूछा जाएगा। इस प्रश्न का कुल भार पाँच अंक होगा। ये प्रश्न विद्यार्थियों के पाठ पर आधारित मूल्यों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को परखने के लिए होगा। (5x1) | | | |

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 4 | **लेखन** | | | |
| | (अ) | विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर 200 से 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध। (10x1) | 10 | **20** |
| | (ब) | अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र। (5x1) | 05 | |
| | (स) | दिए गए गद्यांश का 'सार लेखन'। (5x1) | 05 | |
| | | **कुल** | | **90** |

| | |
|---|---|
| संकलित परीक्षा 1 | 30% |
| संकलित परीक्षा 2 | 30% |
| फॉरमेटिव परीक्षा एफ.ए.–1(भार 10%), एफ.ए.-2 (भार 10%) एफ.ए.–3 (भार 10%), एफ.ए-–4(भार 10%) | 40% |
| **कुल भार** | **100%** |

(मूल्यपरक प्रश्न पूरकपाठ्यपुस्तक पर आधारित होगा। इसके लिए 5 अंक निर्धारित हैं।)

**टिप्पणी:**

1. **संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा रचनात्मक मूल्यांकन (फॉरमैटिव) परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। रचनात्मक मूल्यांकन (फॉरमेटिव) परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग (संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत रचनात्मक मूल्यांकन (फॉरमेटिव) मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा।** इसमें बोलने, सुनने, लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित परीक्षण किया जा सकता है।

2. **संकलित परीक्षा एक (एस-1) 90 अंकों की होगी।** 90 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंकों में से परिवर्तित कर लिया जाएगा तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा **संकलित परीक्षा दो (एस-2) 90 अंकों की होगी** व 90 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंकों में से परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

# कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ'- संकलित एवं रचनात्मक मूल्यांकन ( फॉरमेटिव ) परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन (2016–17)

| क्र. स. | पाठ्य पुस्तक | प्रथम सत्र ( अप्रैल से सितम्बर ) | | | द्वितीय सत्र ( अक्तूबर से मार्च ) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **क्षितिज भाग–2 गद्य खण्ड** | **FA1 10** | **FA2 10** | **SA-I 30** | **FA3 10** | **FA4 10** | **SA-II 30** |
| 1 | स्वयं प्रकाश – नेताजी का चश्मा | ✓ | | ✓ | | | |
| 2 | रामवृक्ष बेनीपुरी – बालगोबिन भगत | ✓ | | ✓ | | | |
| 3 | यशपाल – लखनवी अंदाज़ | | ✓ | ✓ | | | |
| 4 | सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – मानवीय करूणा की दिव्य चमक | | ✓ | ✓ | | | |
| 5 | मन्नू भंडारी – एक कहानी यह भी | | | | ✓ | | ✓ |
| 6 | महावीरप्रसाद द्विवेदी – स्त्री–शिक्षा के विरोधी, कुतर्कों का खंडन | | | | ✓ | | ✓ |
| 7 | यतींद्र मिश्र – नौबतखाने में इबादत | | | | | ✓ | ✓ |
| 8 | भदंत आनंद कौसल्यायन संस्कृति | | | | | ✓ | ✓ |
| | **काव्य खंड** | **FA1 10** | **FA2 10** | **SA-I 30** | **FA3 10** | **FA4 10** | **SA-II 30** |
| 1 | सूरदास– ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी.... | ✓ | | ✓ | | | |
| 2 | तुलसी दास – राम–लक्ष्मण – परशुराम संवाद | | | | ✓ | | ✓ |
| 3 | देव– पाँयनि नूपुर – मंजु बजैं... | ✓ | | ✓ | | | |
| 4 | जयशंकर प्रसाद – आत्मकथ्य | ✓ | | ✓ | | | |
| 5 | सूर्यकांत त्रिपाठी – 'निराला' –उत्साह, अट नहीं रही है | | ✓ | ✓ | | | |
| 6 | नागार्जुन–यह दंतुरित मुसकान, फसल | | ✓ | ✓ | | | |
| 7 | गिरिजाकुमार माथुर – छाया मत छूना | | | | ✓ | | ✓ |
| 8 | ऋतुराज – कन्यादान | | | | | ✓ | ✓ |
| 9 | मंगलेश डबराल – संगतकार | | | | | ✓ | ✓ |
| | **कृतिका पूरक पाठ्य पुस्तक** | **FA1 10** | **FA2 10** | **SA-I 30** | **FA3 10** | **FA4 10** | **SA-II 30** |
| 1 | शिवपूजन सहाय – माता का अँचल | ✓ | | ✓ | | | |
| 2 | कमलेश्वर – जॉर्ज पंचम की नाक | | ✓ | ✓ | | | |
| 3 | मधु कांकरिया – साना–साना हाथ जोड़ि... | | | | ✓ | | ✓ |

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | शिव प्रसाद मिश्र 'रुद्र' - एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा | | | | | ✓ | ✓ |
| 5 | अज्ञेय - मैं क्यों लिखता हूँ? | | | | | ✓ | ✓ |
| **व्याकरण** | | **FA1 10** | **FA2 10** | **SA-I 30** | **FA3 10** | **FA4 10** | **SA-II 30** |
| 1 | रचना के आधार पर वाक्य भेद (3 अंक) | ✓ | ✓ | ✓ | | ✓ | ✓ |
| 2 | वाच्य (4 अंक) | | | ✓ | ✓ | | ✓ |
| 3 | पद-परिचय (4 अंक) | ✓ | ✓ | ✓ | ✓ | | ✓ |
| 4 | रस (4 अंक) | ✓ | ✓ | ✓ | ✓ | | ✓ |
| | **पठन** | **FA1 10** | **FA2 10** | **SA-I 30** | **FA3 10** | **FA4 10** | **SA-II 30** |
| 1 | अपठित गद्यांश (5+5=10 अंक) | | | ✓ | | | ✓ |
| 2 | अपठित काव्यांश (5+5=10 अंक) | | | ✓ | | | ✓ |
| | **लेखन** | **FA1 10** | **FA2 10** | **SA-I 30** | **FA3 10** | **FA4 10** | **SA-II 30** |
| 1 | पत्र लेखन (5 अंक) | ✓ | | ✓ | | | ✓ |
| 2 | निबंध लेखन (10 अंक) | | | ✓ | ✓ | | ✓ |
| 3 | सार लेखन (5 अंक) | | ✓ | ✓ | | ✓ | ✓ |

**निर्धारित पुस्तकें:**

1. पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग-1 (कक्षा- नौवीं हेतु)
2. पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग-2 (कक्षा- दसवीं हेतु)
3. पूरक पुस्तक कृतिका-भाग-1 (कक्षा- नौवीं हेतु)
4. पूरक पुस्तक कृतिका-भाग-2 (कक्षा- दसवीं हेतु)

**टिप्पणी:**

1. रचनात्मक मूल्यांकन (फॉरमेटिव) मूल्यांकन का अभिप्राय अधिगम के मूल्यांकन से है। इसलिए विद्यालय उपर्युक्त विभाजन का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकते हैं।

2. रचनात्मक मूल्यांकन (फॉरमेटिव) मूल्यांकन से संबधित सभी कार्यकलाप जैसे विभिन्न प्रकार के शैक्षिक खेल, पहेली, प्रतियोगिता, परियोजना (Project), भूमिका निर्वहन (Role Play), कहानी लेखन, नाट्य रचनांतरण (Dramatisation), आदि कक्षा में अथवा विद्यालय में करवाये जाने वाले कार्यकलाप हैं। यदि कोई ऐसा कार्यकलाप है जिसमें विद्यालय से बाहर जाकर कार्य करने की आवश्यकता पड़ती है तो ऐसी स्थिति में यह कार्य शिक्षिका, के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में होने चाहिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

# प्रश्नपत्र का प्रश्नानुसार विश्लेषण एवं प्रारुप
## हिन्दी पाठ्यक्रम-अ
## कक्षा-दसवीं
## संकलित परीक्षा ( प्रथम एवं द्वितीय )

समय: 3 घण्टे अधिकतम अंक : 90

| क्र. | प्रश्नों का प्रारुप | दक्षता परीक्षण/अधिगम परिणाम | बहु विकल्पीय 1 अंक | अति लघूत्तरात्मक 1 अंक | लघूत्तरात्मक 2 अंक | निबंधात्मक 5 अंक | निबंधात्मक II 10 अंक | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (क) | अपठित बोध | अवधारणात्मक बोध, अर्थग्रहण, अनुमान लगाना, विश्लेषण करना, शब्दज्ञान व भाषिक कौशल | 20 | | | | | 20 |
| (ख) | व्यावहारिक व्याकरण | व्याकरणिक सरंचनाओं का बोध और प्रयोग, विश्लेषण एवं भाषिक कौशल | | 15 | | | | 15 |
| (ग) | पाठ्यपुस्तक | प्रत्यास्मरण, अर्थग्रहण (भावग्रहण), लेखक के मनोभावो को समझना शब्दों का प्रसंगानुकूल अर्थ समझना, आलोचनात्मक चिंतन, तार्किकता, सराहना, साहित्यिक परंपराओं के परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन, विश्लेषण, सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता, कार्य-कारण संबंध स्थापित करना, साम्यता एवं अंतरों की पहचान, अभिव्यक्ति में मौलिकता एवं जीवन मूल्यों की पहचान। | | 2 | 14 | 1 | | 35 |
| (घ) | रचनात्मक लेखक (लेखन कौशल) | संकेत बिंदुओं का विस्तार, अपने मत की अभिव्यक्ति, सांदाहरण समझाना, औचित्य निर्धारण, भाज़ा में प्रवाहमयता, सटीक शैली, उचित प्रारूप का प्रयोग, अभिव्यक्ति की मौलिकता, सृजनात्मकता एवं तार्किकता | | | | 2 | 1 | 20 |
| | | **कुल** | **1x20=20** | **1x17=17** | **2x14=28** | **5x3=15** | **10x1=10** | **90** |